RAJYA SABHA

Monday, the 1st, August, 2005/10 *Sravana,* 1927 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

[MR. CHAIRMAN in the Chair.]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

**101. [The questioner (Shri Rama MuniReddy) was absent. For answer vide page 31.]*

National Textbook Council

*102. SHRIMATI HEMA MALINI:
SHRI R.S. GAVAI:†

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Central Advisory Board of Education (CABE) Committee had recommended for setting up of a National Textbook Council;

(b) if so, the details of its recommendations; and

(c) the action Government propose to take in this regards?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MD. ALI ASHRAF FATMI): (a) to (c) A Statement '- laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) The recommendations are:—

(i) There be instituted a National Textbook Council (NTC) to monitor textbooks. This must be independent of any organization involved in textbook preparation, and also be fully autonomous so as genuinely to represent civil society and academia.

---

†The Question was actually asked on the floor of the House by Shri R.S. Gaval.

(ii) The CABE may set up a Standing Committee, which would be guided by the NTC. The Standing Committee should be empowered to prepare the guidelines and outline the parameters for periodic reviews of the textbooks, to be completed within six months of the beginning of the academic session. Review would examine social content of books as well as assess their standards, relevance and suitability for the age group. These periodic reviews should be submitted to the government, and widely publicized through the media.

(c) The recommendations are under examination.

SHRI R.S. GAVAI: Mr. Chairman, Sir, at the outset, I welcome the decision of the Government, but my supplementary is, keeping in view the damage which caused spreading of caste and creed, and all mythological things under the garb of history, whether the Government will implement the recommendation immediately and how much time the Government will take in this respect?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: यह जो रिपोर्ट है जो प्रोफेसर जोया हसन और प्रोफेसर गोपाल गुरू ने रेग्युलटरी मैकेनिज्म फॉर टैक्स्ट बुक्स ऍड पैरलल टैक्स्ट बुक्स के बारे में जो दी है, यह अभी विचाराधीन है और चर्चा के बाद इस पर कोई भी कदम उठाया जाएगा और उससे पहले पार्लियामेंट को कॉन्फीडेंस में लिया जाएगा।

श्री आर0 एस0 गवई: सर, मैंने उनसे खास करके पूछा है कि जितना नुकसान हिस्ट्री का हुआ, उसे रोकने के लिए जो रिकमेंडेशंस हुई, उनका मैंने स्वागत किया है मगर इन रिकमेंडेशंस पर अमल कितनी जल्दी हो सकेगा और यह कितने महीने बाद होगा?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सर, इस पर जल्द से जल्द कार्यवाही की जायेगी।

SHRIMATI N.P. DURGA: Sir, I would like to know from the hon. Minister what mechanism does the Council have to monitor the communal propaganda material that is creeping into the text-books. Whether the NTC will look into the aspects of text-books and parallel text-books only within the Government system or even outside the Government system.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सर, काउंसिल की जो रिकमेंडेशंस हैं, उसमें गवर्नमेंट के अंदर एवं गवर्नमेंट के बाहर, प्राइवेट इंस्टीट्यूशंस के अंदर जो सिलेबस पढ़ाया जा रहा है, उस पर भी इसकी निगाह रहेगी और उसको भी यह मॉनिटर करेगा।

श्रीमती सुषमा स्वराज: धन्यवाद सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि आप राष्ट्रीय पाठ्य पुस्तक परिषद् की स्थापना की बात जो कर रहे है लेकिन क्या आपको

जानकारी है कि इस समय जो पाठ्य पुस्तकें बच्चों को पढ़ाने के लिए दी जा रही है, ग्यारहवीं कक्षा की, उत्तर प्रदेश की हिस्ट्री की किताब में लिखा है, there was no epic age in India, राम और कृष्ण हुए ही नहीं थे। रामकृष्ण परमहंस मुर्ख थे, पागल थे, इस तरह की चीजें जो पढ़ाई जा रही है...(**व्यवधान**).... रामकृष्ण परहंस मुर्ख थे, यह जो मैं भारद्वाज जी बता रही हूं, उस उसमें लिखा है और यह भी कि राम और कृष्ण हुए ही नहीं थे, there was no epic age in India, ये पाठ्यपुस्तकें इस समय बच्चों को पढ़ाने के लिए दी जा रही है तो क्या आपकी यह पाठ्य पुस्तक परिषद्, इस तरह के सिलेबस जो पढ़ाए जा रहे हैं, इनको देखेगी और इन सबका निस्तारण करेगी?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: जहां रामकृष्ण परमहंस जी के बारे में आपने यहां पर उल्लेख किया, ऐसी कोई भी किताब एनसीईआरटी की तरफ से नहीं है।

श्री मती सुषमा स्वराज: मैं आपके सामने पेश करूंगी।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: एनसीईआरटी की तरफ से कोई ऐसी किताब नहीं है और अगर कोई ऐसी है तो हमारे सामने लाइए, उसको हम देखेंगे .....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: ज्यादा अच्छा यह होगा कि वह किताब आप उनके पास भेज दें।

श्रीमती सुषमा स्वराज: मंत्री जी, दूसरे पर भी बोल दीजिए, राम और कृष्ण हुए थे कि नहीं हुए थे, there was no epic age in India या मंत्री जी के मौन को मैं सहमति मान लूं।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: जो आप सवाल कर रही हैं, उस चीज को आप गवर्नमेंट के सामने लाइए , हम उसको देखेंगे। ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बात खत्म हो गई। आप किताबें भेज दीजिए, वे देख लेंगे। अगला क्वेश्चन ....(**व्यवधान**)...

डा0 मुरली मनोहार जोशी: आर0 एस0 शर्मा की पुस्तक में लिखा हुआ है, वह पढ़ाई जा रही है। ....(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: ग्यावहवीं कक्षा की हिस्ट्री की किताब ....(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: हमारे पास बहुत से राज्यों से बहुत सी आपत्तिजनक किताबों की रिपोर्टें मिली हैं, उसके बारे में हम यहा पर चर्चा नहीं करना चाहते । आप वह भिजवा दीजिए, हम उसको दिखवा लेंगे।

श्री सभापति: आप भेज दीजिए, उनको जरूरत पड़ेगी।

श्रीमती सुषमा स्वराज: जी, मैं वे किताबें इनको भिजवा दूंगी।